प्रमाणपत्र

मैं प्रमाणित करती हूँ कि, श्री सदाशिव बाळकृष्ण रक्ताडे ने शिवाजी विश्वविद्यालय की एम्.फिल. (शिक्षाशास्त्र) उपाधि के लिए प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध **"पाँचवी कक्षा के पाठयपुस्तक हिन्दी सुलभ भारती का मुद्रणतंत्रज्ञान एवं पाठयपुस्तक तंत्रज्ञान के अनुसार परीक्षण"** मेरे निर्देशन में सफलतापूर्वक परिश्रम के साथ पूरा किया है। यह कार्य पूर्व योजनानुसार संपन्न हुआ है। शोधकर्ता ने मेरे सुझावों का समय के अनुसार पूर्णतः पालन किया है। जो तथ्य शोध प्रबंध में प्रस्तुत है, मेरी जानकारी के अनुसार सही है।

शोध-निर्देशिका

कोल्हापूर.

दि. 19.05.99.

(डॉ. सीमा येवले)

प्रख्यापन

यह शोध प्रबंध मेरी स्वतंत्र रचना है। जो एम्.फिल. (शिक्षाशास्त्र) की उपाधि के लिए प्रस्तुत की जा रही है। यह रचना इससे पहले इस विश्वविद्यालय या अन्य किसीभी विश्वविद्यालय में किसीभी उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गयी है।

कोल्हापूर

दि. 19-05-99

(सदाशिव बाळकृष्ण रक्ताडे)

कृतज्ञता ज्ञापन

यह शोध प्रबंध प्रस्तुत करते हुए मुझे बहुतही खुशी महसूस हो रही है। इस शोध प्रबंध के लिए शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापूर, शिक्षाशास्त्र विभाग के प्रमुख डॉ. सीमा येवले इन्होने बहुतही लगन से मार्गदर्शन किया है। उनके द्वारा उचित समय पर स्नेहपूर्ण मिला हुआ मार्गदर्शन और प्रोत्साहान के कारण ही मैं प्रस्तुत शोध प्रबंध संपन्न कर सका हूँ। जिंदगी भर उनके ऋण में रहैना मैं पसंद करुगाँ।

यशवंत शिक्षण प्रसारक मंडल, कोडोली के अध्यक्ष मा.आ. यशवंत पाटील (दादा) उनका आभार प्रकट करना मेरा कर्तव्य है। इस शोध प्रबंध की पूर्ति के लिए जिनकी शुभकामनाएँ मेरे साथ है वे आदरनिय डॉ. पद्मिनीजी, प्राचार्य ढवळेजी, इन्होने दिया हुवा मार्गदर्शन बहुत ही मौलिक है। उनका मैं सदैव आभारी रहूँगा।

प्रस्तुत शोध प्रबंध की पूरा करने में जिनका सहयोग मिला वे मेरे आदरनिय सहकारी प्रा. कुराडेजी, लोकरेजी, पोवारजी, उनका आभार प्रकट करना यह भी मेरा कर्तव्य मानता हूँ।

जिनकी दुआँ से मैं यह कार्य पूरा कर सका यह मेरे माँता-पिता को मेरा सादर प्रणाम। प्रस्तुत शोधकार्य की पूर्ति के लिए प्रश्नावली भरकर देनेवाले सभी अध्यापक तथा छात्रों का मैं आभारी हूँ। इनके अतिरिक्त प्रस्तुत शोधप्रबंध को व्याकरण की दृष्टि से शुध्द रुप देने का कार्य मेरे मित्र प्रा. इकबाल शेखजी ने किया है, उनका भी मैं आभारी हूँ। इस काम में हमेशा मुझे मदद करनेवाली मेरी पत्नी सौ. सविता और मेरे प्यारे दोस्त प्रा. दिपक माने उनका भी मैं आभारी हूँ। टंकलेखन करने का कार्य श्री सिकंदर आय. शेखजी ने किया है। उनका मैं आभारी हूँ।

(सदाशिव बाळकृष्ण रक्ताडे)

सूची

		पृष्ठांक
अध्याय पहला -	**प्रास्ताविक।**	**1-11**
	१.१ विषय प्रवेश।	1
	१.२ शोधकार्य की आवश्यकता।	2
	१.३ शोधकार्य समस्या विधान।	3
	१.४ समस्या विधान में प्रयुक्त पदों की परिभाषाएँ।	3-4
	१.५ शोधकार्य का महत्व।	5
	१.६ शोधकार्य के उद्देश्य।	6
	१.७ शोधकार्य की परिकल्पना।	7
	१.८ शोधकार्य की मर्यादाएँ।	8
	१.९ अध्याय योजना।	9
अध्याय दुसरा -	**मुद्रणतंत्रज्ञान एवं पाठयपुस्तक तंत्रज्ञान**	**12-30**
	२.१ प्रस्तावना।	12
	२.२ मुद्रणतंत्रज्ञान का इतिहास।	13-16
	२.३ क्रमिक पुस्तक का निर्माण और वितरण, इसके बारे में कोबायशीजी ने बताए हुए मुख्य १२ सोपान।	16-17
	२.४ पाठयपुस्तक तंत्रज्ञान में हुई तरक्की।	18
	२.४.१ मुद्रित साहित्य का बाह्यांग।	18
	२.४.२ मुद्रित अनुस्थापन की पहचान।	19
	२.४.३ सामान्य उद्दिपक के लिए मुद्रित साहित्य।	19
	२.४.४ गणितीय क्रिया।	20-24
	२.४.५ वाचक के लक्षण।	24-26
	२.४.६ वाचन फल।	26-29
	२.४.७ उपसंहार।	29
अध्याय तिसरा-	**संशोधन समस्या से संबंधित साहित्य का समालोचन।**	**30-42**
	३.१ प्रस्तावना।	31
	३.२ संशोधन समस्या से संबंधित संशोधित साहित्य का समालोचन।	32

पृष्ठांक

		३.२.१ अंग्रेजी पाठयपुस्तक निर्मिती, मूल्यांकन, दर्जा और गुणदोष इस क्षेत्र में हुआ संशोधन।	33-34
		३.२.२ हिंदी पाठयपुस्तक की आवश्यकताएँ, विषयांश इन क्षेत्रों में हुआ संशोधन।	35
		३.२.३ इतिहास पाठयपुस्तक का अभ्यास, मूल्य प्रतिती अभ्यासक्रम, आशय इस क्षेत्र का संशोधन।	35
		३.२.४ भूगोल पाठयपुस्तक का मूल्यांकन, ढाँचा, संरचना, आशय योग्यता, अध्यापन इस क्षेत्र में हुआ संशोधन।	36-37
		३.२.५ गणित पाठयपुस्तक की त्रुटियाँ, संकल्पना, मूल्यांकन इस क्षेत्र में हुआ संशोधन।	38
		३.२.६ विज्ञान पाठयपुस्तक का आशय विश्लेषण, मूल्यांकन इस क्षेत्र में हुआ संशोधन।	39
		३.२.७ पाठयपुस्तक के बारे में अन्य संशोधन।	39-42
	३.३	उपसंहार।	42
अध्याय चौथा -	**शोधकार्य पध्दति।**		**43-60**
	४.१	प्रस्तावना।	43
	४.२	शोधकार्य पध्दति।	43-45
	४.३	शोधकार्य सामग्री स्वरुप।	45
	४.४	शोध सामग्री इकठ्ठा करने के लिए प्रमुख साधन।	46-57
	४.५	जनसंख्या एवं न्यादर्श चयन।	57-60
	४.६	सामग्री विश्लेषण एवं अर्थान्वेषण।	60
	४.७	उपसंहार।	60
अध्याय पाँचवा-	**संशोधन सामग्री विश्लेषण एवं अर्थान्वेषण।**		**61-124**
	५.१	प्रास्ताविक।	61
	५.२	मुद्रणतंत्रज्ञान के बारे में प्राप्त जानकारी।	61-65
	५.३	पाँचवी कक्षा के हिन्दी पाठयपुस्तक का पाठयपुस्तक तंत्रज्ञान के अनुसार परीक्षण छात्रों की प्रतिक्रियाएँ।	65
		५.३.१ पाठयपुस्तक के बाह्यांग का विश्लेषण- छात्र प्रतिक्रियाएँ।	65-68

पृष्ठांक

५.३.२ मुद्रित अनुस्थापन की पहचान का विश्लेषण - छात्र प्रतिकियाएँ। 68-72
५.३.३ गणितीय क्रिया विश्लेषण - छात्र प्रतिक्रियाएँ। 72-79
५.३.४ वाचक के लक्षणों का विश्लेषण- छात्र प्रतिक्रियाएँ। 79-82
५.४ पाँचवी कक्षा के हिन्दी पाठयपुस्तक का पाठयपुस्तक तंत्रज्ञान के अनुसार परीक्षण- अध्यापक प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण। 82
५.४.१ प्रश्नावली भरकर देनेवाले अध्यापकों की सामान्य जानकारी। 83
५.४.१.१ अध्यापकों की शैक्षिक अर्हता। 83-86
५.४.२ हिन्दी पाठयपुस्तक का बाह्यांग - अध्यापकों के विचार। 86-92
५.४.३ मुद्रित अनुस्थापन की पहचान - अध्यापक प्रतिक्रियाएँ। 92-97
५.४.४ सामान्य उद्दिपक के लिए मुद्रित साहित्य- अध्यापक प्रतिक्रियाएँ। 97-102
५.४.५ पाठयपुस्तक की गणितीय क्रिया- अध्यापक प्रतिकियाएँ। 102-116
५.४.६वाचक के लक्षण - अध्यापक प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण। 116-118
५.४.७ पाठयपुस्तक का वाचन फल - अध्यापक प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण। 118-124
५.५ उपसंहार। 124

अध्याय छँटवा- निष्कर्ष एवं सुझाव। 125-136
६.१ प्रास्ताविक। 125
६.२ मुद्रणतंत्रज्ञान के बारे में प्राप्त जानकारी : निष्कर्ष। 128
६.३ हिन्दी पाठयपुस्तक तंत्रज्ञान के संबंध में छात्रों का दृष्टिकोन- निष्कर्ष। 129-131
६.४ हिन्दी पाठयपुस्तक तंत्रज्ञान के संबंध में अध्यपकों का दृष्टिकोन- निष्कर्ष। 131-134
६.५ सुझाव। 134-135
६.६ शोधकार्य के लिए कुछ विषय। 135-136

संदर्भ ग्रंथ सूची 137-139

पृष्ठांक

परिशिष्ट **140-150**

अ. विद्यार्थीयों के लिए प्रश्नावली। 140-143

ब. अध्यापकों के लिए प्रश्नावली। 143-149

क. प्रश्नावली भरकर देनेवाले अध्यापकों की सूची। 149

ड. शोधकार्य के लिए चुने हुए हाईस्कूलों की सूची। 150

सारणी सूची

अ.नं.	सारणी क्र.	शीर्षक	पृष्ठ क्र.
१.	४.१	छात्रों के लिए तैयार की हुई प्रश्नावली का विश्लेषण।	49-50
२.	४.२	अध्यापक के लिए तैयार की हुई प्रश्नावली का विश्लेषण।	51-54
३.	४.३	कक्षा पॉचवी के हिन्दी पाठयपुस्तक के विश्लेषण के लिए अध्यापक और छात्रों के प्रश्नावली का संकलित वर्गीकरण।	54-57
४.	४.४	पन्हाला तहसील की हाईस्कूलो में से चुनी हुई हाईस्कूलों की सारणी।	59
५.	४.५	शोधकार्य के लिए विद्यार्थी और अध्यापकों की की हुई चयन सूची।	59
६.	५.१	हिन्दी पाठयपुस्तक के आकार के बारे में छात्रों के विचार।	66
७.	५.२	हिन्दी पाठयपुस्तक के कागज़ के दर्जा के बारे में छात्रों के विचार।	66
८.	५.३	हिन्दी पाठयपुस्तक के जिल्द के संबंध में छात्रों के विचार।	67
९.	५.४	हिन्दी पाठयपुस्तक के आवरण पृष्ठ के बारे में छात्रों के विचार।	68
१०.	५.५	हिन्दी पाठयपुस्तक की पंक्तियों की लंबाई के बारे में छात्रों के विचार।	69
११.	५.६	पाठयपुस्तक के अक्षरों के टाईप के बारे में छात्रों के विचार।	69
१२.	५.७	पाठयपुस्तक में दो शब्द, पंक्तियों, परिच्छेद आदि में रखे अंतर के बारे में छात्रों के विचार।	70
१३.	५.८	पाठयपुस्तक की मुद्रण विषयक परिपूर्णता के बारे में छात्रों के विचार।	71
१४.	५.९	पाठयपुस्तक के मजमुन की अर्थपूर्णता एवं क्रमबध्दता के बारे में छात्रों के विचार।	71
१५.	५.१०	हिन्दी पाठयपुस्तक में निश्चित शब्द, मजमून दिखाई देने के बारे में छात्रों के विचार।	73
१६.	५.११	हिन्दी पाठयपुस्तक के मजमून का बोलचाल की भाषा में रुपांतर के बारे में छात्रों के विचार।	73

अ.नं.	सारणी क्र.	शीर्षक	पृष्ठ क्र.
१७.	५.१२	हिन्दी पाठयपुस्तक के वाक्य पृथःकरण के बारे में छात्रों की प्रतिक्रियाएँ।	74
१८.	५.१३	हिन्दी पाठयपुस्तक के मजमून पढ़ने से छात्रों के मन में जागनेवाली संवेदनाविषयक प्रतिक्रियाएँ।	75
१९.	५.१४	हिन्दी पाठयपुस्तक का आशय पढ़ने पर छात्रों के मन में विचार लहरे निर्माण होती है या नहीं इसके बारे में छात्रों की प्रतिक्रियाएँ।	75
२०.	५.१५	हिन्दी पाठयपुस्तक के पाठ के बारे में पूर्वजानकारी के बारे में छात्रों के विचार।	76
२१.	५.१६	पाठयपुस्तक के संकल्पना के संबंध में छात्रों की प्रतिक्रियाएँ।	77
२२.	५.१७	हिन्दी पाठयपुस्तक के जानकारी के आधार पर निष्कर्ष निकालने के संदर्भ में छात्रों के विचार।	78
२३.	५.१८	हिन्दी पाठयपुस्तक के व्याकरण के बारे में छात्रों की प्रतिक्रियाएँ।	79
२४.	५.१९	हिन्दी पाठयपुस्तक के पाठ पढ़ने पर संवेदनाएँ निर्माण होती है या नहीं इस संदर्भ में छात्रों के विचार।	80
२५.	५.२०	हिन्दी पाठयपुस्तक का मजमून पठन करने के बाद सहजता से ध्यान में रखने योग्य है या नहीं इसके संबंध में छात्रों की प्रतिक्रियाएँ।	81
२६.	५.२१	अध्यापकों का शैक्षिक अर्हता के नुसार वर्गीकरण।	83
२७.	५.२२	उपाधि के लिए चुने मुख्य विषय के अनुसार अध्यापकों का वर्गीकरण।	84
२८.	५.२३	बी.एड. उपाधि के लिए हिन्दी अध्यापन पध्दति चुने अध्यापक।	85
२९.	५.२४	अध्यापकों का हिन्दी अध्यापन का अनुभव।	86

अ.नं.	सारणी क्र.	शीर्षक	पृष्ठ क्र.
३०.	५.२५	हिन्दी पाठयपुस्तक के आकार के बारे में अध्यापकों के विचार।	87
३१.	५.२६	हिन्दी पाठयपुस्तक की पृष्ठ संख्या के बारे में अध्यापकों के विचार।	87
३२.	५.२७	पाठयपुस्तक के कागज़ के बारे में अध्यापकों के विचार।	88
३३.	५.२८	हिन्दी पाठयपुस्तक के आवरण पृष्ठ के बारे में अध्यापकों के विचार।	88
३४.	५.२९	हिन्दी पाठयपुस्तक के शीर्षक पृष्ठ की जानकारी के संबंध में अध्यापकों के विचार।	89
३५.	५.३०	हिन्दी पाठयपुस्तक के किमत के संदर्भ में अध्यापकों के विचार।	90
३६.	५.३१	हिन्दी पाठयपुस्तक के गद्य और पद्य विभाजन पर अध्यापकों के विचार।	90
३७.	५.३२	हिन्दी पाठयपुस्तक के प्रारंभिक भाग के बारे में अध्यापकों के विचार।	91
३८.	५.३३	हिन्दी पाठयपुस्तक के पंक्तियों की लंबाई के बारे में अध्यापकों के विचार।	92
३९.	५.३४	हिन्दी पाठयपुस्तक के टाईप के संबंध में अध्यापकों के विचार।	93
४०.	५.३५	हिन्दी पाठयपुस्तक में दो पंक्तियों में, शब्दों में, परिच्छेदो में छोडा अंतर आदि के बारे में अध्यापकों के विचार।	93
४१.	५.३६	हिन्दी पाठयपुस्तक की छपाई की कलात्मकता के बारे में अध्यापकों के विचार।	94
४२.	५.३७	हिन्दी पाठयपुस्तक के अभिकल्प के बारे में अध्यापकों के विचार।	95
४३.	५.३८	हिन्दी पाठयपुस्तक के हर पृष्ठ पर छोडा हुआ हाशिया के बारे में अध्यापकों के विचार।	95

अ.नं.	सारणी क्र.	शीर्षक	पृष्ठ क्र.
४४.	५.३९	हिन्दी पाठयपुस्तक के मजमून की क्रमबध्दता एवं अर्थपूर्णता के बारे में अध्यापकों के विचार।	96
४५.	५.४०	हिन्दी पाठयपुस्तक के आशय विविधता के बारे में अध्यापकों के विचार।	97
४६.	५.४१	हिन्दी पाठयपुस्तक में आशय की विविधता के अनुसार गद्य-पद्य वर्गीकरण के बारे में अध्यापकों के विचार।	98
४७.	५.४२	हिन्दी पाठयपुस्तक के पाठों की पूर्णता के बारे में अध्यापकों के विचार।	99
४८.	५.४३	पाठयपुस्तक के पाठों की अचूकता के बारे में अध्यापकों के विचार।	99
४९.	५.४४	हिन्दी पाठयपुस्तक के पाठ भाषा अध्यापन के उद्देश्यों की पूर्ति करते है या नहीं इस संदर्भ में अध्यापकों के विचार।	100
५०.	५.४५	हिन्दी पाठयपुस्तक में विषय प्रतिपादन के लिए शब्द रचना के बारे में अध्यापकों के विचार।	101
५१.	५.४६	हिन्दी पाठयपुस्तक में आए हुए उपमा तथा अलंकार छात्र समझते है या नहीं इस संबंध में अध्यापकों के विचार।	101
५२.	५.४७	हिन्दी पाठयपुस्तक व्याकरण की दृष्टि से सही है या नहीं इसके बारे में अध्यापकों के विचार।	102
५३.	५.४८	हिन्दी पाठयपुस्तक का मजमून सहजता से नजर में आता है या नहीं इस संबंध में अध्यापकों की प्रतिक्रियाएँ।	103
५४.	५.४९	हिन्दी पाठयपुस्तक के वाक्यों का पृथःकरण करना आसान है या नहीं इस संदर्भ में अध्यापकों के विचार।	104
५५.	५.५०	हिन्दी पुस्तक के पाठों का मजमून प्रतिपादन योग्य है या नहीं इस संबंध में अध्यापकों के विचार।	104
५६.	५.५१	हिन्दी पाठयपुस्तक के पाठ सहजता से समझाने योग्य है या नहीं इस संबंध में अध्यापकों के विचार।	105

अ.नं.	सारणी क्र.	शीर्षक	पृष्ठ क्र.
५७.	५.५२	हिन्दी पाठयपुस्तक के संबोध की अर्थपूर्णता के बारे में अध्यापकों के विचार।	105
५८.	५.५३	हिन्दी पाठयपुस्तक में भाषा संबंधी नियमतत्व सम्मिलित है या नहीं इस संबंध में अध्यापकों के विचार।	106
५९.	५.५४	हिन्दी पाठयपुस्तक में आशन संगठन के बारे में अध्यापकों के विचार।	107
६०.	५.५५	हिन्दी पाठयपुस्तक के पाठों का सही वर्णन छात्रों के समझ में आता है या नहीं इस संबंध में अध्यापकों के विचार।	107
६१.	५.५६	हिन्दी पाठयपुस्तक में विराम चिह्नों के प्रयोग के बारे में अध्यापकों के विचार।	108
६२.	५.५७	हिन्दी पाठयपुस्तक में चित्र, नक्शे और होने चाहिए या नहीं इसके बारे में अध्यापकों के विचार।	108
६३.	५.५८	हिन्दी पाठयपुस्तक में पाठों की रचना आगमन तथा निगमन पध्दती से है या नहीं इसके बारे में अध्यापकों के विचार।	109
६४.	५.५९	हिन्दी पाठयपुस्तक में अभिक्रमित अध्ययन पध्दति का पालन किया है या नहीं इसके बारे में अध्यापकों के विचार।	110
६५.	५.६०	हिन्दी पाठयपुस्तक के प्रत्यक्ष जानकारी के बारे में अध्यापकों के विचार।	111
६६.	५.६१	हिन्दी पाठयपुस्तक की संकल्पनाओं के आकलन के बारे में अध्यापकों के विचार।	111
६७.	५.६२	हिन्दी पाठयपुस्तक के परिच्छेद के लिए उचित शीर्षक देने के सेदर्भ में अध्यापकों की प्रतिक्रियाएँ।	112
६८.	५.६३	हिन्दी पाठयपुस्तक के परिच्छेद का सारलेखन करने के बारे में अध्यापकों की प्रतिक्रियाएँ।	113
६९.	५.६४	हिन्दी पाठयपुस्तक में दृष्टांतों के बारे में अध्यापक प्रतिक्रियाएँ।	113
७०.	५.६५	हिन्दी पाठयपुस्तक के पाठों के जानकारी द्वारा निष्कर्ष निकालना : अध्यापक प्रतिक्रियाएँ।	114

अ.नं.	सारणी क्र.	शीर्षक	पृष्ठ क्र.
७१.	५.६६	हिन्दी पाठयपुस्तक का मजमून आकृति द्वारा दिखाने के संबंध में अध्यापकों के विचार।	115
७२.	५.६७	हिन्दी पाठयपुस्तक के पाठ के अंत में दिए प्रश्नों की आवश्यकता के बारे में अध्यापकों के विचार।	115
७३.	५.६८	हिन्दी पाठयपुस्तक के गद्य पाठों का वाचन करते समय अपनायी जानेवली पध्दति - अध्यापक प्रतिक्रियाएँ।	116
७४.	५.६९	हिन्दी पाठयपुस्तक के पद्य पाठ पढ़ते समय अपनायी जानेवाली पध्दति के बारे में अध्यापकों के विचार।	117
७५.	५.७०	हिन्दी पाठयपुस्तक का वाचन करते वक्त किन पाठों की वाक्यरचना जटिल है इसके बारे में अध्यापकों की प्रतिक्रियाएँ।	117
७६.	५.७१	हिन्दी पाठयपुस्तक के पाठों का मजमून वाचन के बाद सहजता से ध्यान में रखने के बारे में अध्यापकों की प्रतिक्रियाएँ।	118
७७.	५.७२	हिन्दी पाठयपुस्तक के पाठों के वाचन फल आकलन स्तर पर दिखायी देनेवाली वाचन फल : अध्यापक प्रतिक्रियाएँ।	119
७८.	५.७३	हिन्दी पाठयपुस्तक के पाठों के वाचन के बाद पृथःकरण स्तर पर दिखायी देनेवाला वाचन फलः अध्यापक प्रतिकियाएँ।	119
७९.	५.७४	हिन्दी पाठयपुस्तक के पाठ पढ़ने पर संश्लेषण स्तर पर दिखायी देनेवाला वाचन फल : अध्यापक प्रतिक्रियाएँ।	120
८०.	५.७५	हिन्दी पाठयपुस्तक के पाठ पढ़ने पर अवधान स्तर पर दिखाई देनेवाला वाचन फल : अध्यापक प्रतिक्रियाएँ।	121
८१.	५.७६	हिन्दी पाठयपुस्तक के पाठ के अंत में दिए प्रश्नों की आवश्यकता के बारे में अध्यापकों के विचार।	122
८२.	५.७७	हिन्दी पाठयपुस्तक के पाठ पढ़ने पर क्रियाकौशल्य कृती में हुआ परिवर्तन : अध्यापकों के विचार।	122